LEWISBURG CHRONICLE \＆WEST BRANCH FARMER．

|  |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | $i Y$ |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | nome |  |
|  |  |  |  |  | Grain orills． |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| to shoot with the bow and arrows，to snare partridges and rabbits，and many other things．He said he was afraid I wras al hings．He said he was afraid I was al |  | － |  |  |  |  |
| things．He said he was afraid I was almost spoiled by living in the house andgoing to school，but he hoped that，if they took me away and gave me a new name， |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | BARGAINS at the Chear |  |  |  |
|  |  |  | SAR⿴囗⿱一土口 |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| it was Peter．He was a pleasatut fellow，and while he was talking with me I didnet eare about my home，but felt very not care about my home，but felt verybrave and squaw－like，and began to think |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | －${ }^{\text {5 }}$ |  |  |
|  |  |  |  | Winifield Woolen Factory |  |  |
| about the fine belt of wampum，and the head dress of gay feathers，aud the recasins I waleggings，and the yeilow moecas oing to buy for myself，with the bas |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| by the fair face of my blue－eyed sister．I |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | loter |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| Again I thought of my mother，how，when she feared I was drowned she would cry |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| morning，and the bigh tree above $m$ |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| wee in toe midalo of tha vigh！ | \％ |  | ning Rods． |  |  |  |
| nise．This was about the hour for ever－ ing devotions at home．I looked round to |  |  |  |  |  |  |
| see if my new friends were preparing forworship．But the old Indian was already fast asleep，and as for the younger one，I |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | ， |  |  |
|  |  |  |  |  | frwisburg foundr |  |
|  |  |  |  |  |  | Emit |
|  |  |  | Igntitic $\mathrm{Ci}^{\text {a }}$ |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | $= \pm=2=5$ |
|  |  |  |  |  |  | \％ |
|  |  |  |  |  |  | vie |
|  | cors |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | 54 |
|  |  |  |  |  | Stoves，various patierns，for snie at the Lewisburg Fonndry．Geddes．Marsh \＆Co | 52－ |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | $\pm 5=5$ |
|  |  |  | \％ |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | $25 \pm 5=2=0$ |  | Thesct EXCHANGE ST， |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| al advantages of that place，and gained lier first experincee of the social life to |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| years my well－beloved home；here it wasthat I spent my few school－days；received | den |  |  |  |  |  |
|  | $\overbrace{\text { Redin＇s }}$ |  |  |  |  |  |
| my trifle of book knowledge；for much learning has never made me＂mad＂or |  |  |  |  |  |  |
| first opened upon me；not as a romanee， mot as a fairy dream，not as a golden heri－ |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | nusxa |
|  |  |  |  |  |  |  |
| foundly reai，and my days of romanticpleasures and ideal visions are yet toeome．＇s |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | $\begin{aligned} & \text { tion } \\ & \stackrel{y}{c} \\ & \hline \end{aligned}$ |  |
| In 1843，she removed，with her parents， |  |  |  |  | ONSUMPTION！ |  |
|  | I |  |  |  |  | ticular caution |
|  |  | ，altes，Jane 8 8， 1 |  |  |  |  |
|  |  |  | Lewisburg |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | Di． |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |

